बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[भाग–२ कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित]

शनिवार, तिथि २८ मार्च, १९८१ ई०

विषय-सूची

	पृष्ठ
विशेषाधिकार प्रश्न के बारे में चर्चा	१–४
स्थगन प्रस्ताव की सूचना	४–५
शून्यकाल की चर्चाएँ :	
(क) कैदियों के समक्ष पीने के पानी की समस्या	५
(ख) श्री अशोक कुमार सिंह की हत्या	५
(ग) एम० ए० एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई	६
(घ) सिंचाई के लिए लिफ्ट पम्प की व्यवस्था	६
(ङ) नियुक्ति में आरक्षण की अवहेलना	६–७
(च) श्री राजनन्दन सिंह को पुनर्स्थापित करना	७
(छ) प्रबंधक द्वारा कॉलेज का प्रभार नहीं छोड़ना	७

अत्यावश्यक लोक महत्व के विषयों पर ध्यानाकर्षण :

(क) सशस्त्र पुलिस की मिली भगत से दो व्यक्तियों की मृत्यु।

श्री विश्वनाथ ऋषि—अध्यक्ष महोदय, मुंगेर जिलान्तर्गत गोगरी अंचल के मेरा ग्राम में ही अवस्थित मेरा सैरात की बन्दोबस्ती १९८०-८१ की तिथि १-१०-८० से ३०-९-८१ के लिए मत्स्यजीवि सहयोग समिति, पीपरपांती के साथ ६१,००० रुपये में करने के बावजूद भी अपर समाहर्त्ता, मुंगेर ने विगत २४ मार्च, ८१ को ११ बजे दिन में मेरा गाँव, जहाँ मेरा जलकर अवस्थित है, में एक सौ से अधिक सशस्त्र पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों श्री कमलेश्वरी सिंह, ग्राम राजधाम, वगैरह की मिली भगत से आक्रमण कर गोलियाँ चलवायी; जिसमें दो व्यक्तियों की मृत्यु घटनास्थल पर ही गोली लगने से हो गयी और अनेकों घायल हो गये। इनमें पांच की स्थिति गंभीर है। अपर समाहर्त्ता, मुंगेर ने राज्य सरकार के आदेश का उल्लंघन कर एक बड़ा अन्याय किया है और इनके अत्याचार से अभी भी वहाँ आतंक और उत्पीड़न जारी है। हम इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह—अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब ३०-३-८१ को दिया जायगा।

श्री विश्वनाथ ऋषि—अध्यक्ष महोदय, प्रश्न बहुत गंभीर है। जिनका मर्डर हुआ है उनकी लाश का भी पता नहीं है।

श्री मांगन इन्सान—अध्यक्ष महोदय, ३० तारीख को जवाब देने का मौका नहीं मिलेगा।

अध्यक्ष—माननीय मंत्री, ३० तारीख को अनिवार्य रूप से जवाब मंगाकर दें। ३० तारीख को हम दो घंटा भी बैठेंगे।

(ख) भूतपूर्व कुल-सचिव द्वारा अनियमित नियुक्ति।

श्री रामराज प्रसाद सिंह—अध्यक्ष महोदय, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुल सचिव डा० महेन्द्र ठाकुर ने अपने कार्यकाल में